Dainik Tribune 26th January, 2018

औषधीय पौधों की खेती बारे दी जानकारी

रादौर, 25 जनवरी (निस)

कृषि विज्ञान केन्द्र दामला के प्रागंण में किसानों, वन कर्मियों, गैर सरकार संगठन एवं अन्य हितग्रहियों के लिए औषधीय पौधों की खेती, सतत विदोहन एवं उपयोग पर विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान देहरादून द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बोलते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र दामला के संयोजक एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि औषधीय पेड़-पौधों से मिलने वाली उपज को सीधे बाजार में बिना किसी बिचौलिये की मदद से विक्रय प्रणाली पर विचार रखते हुए कहा कि सही अर्थ में किसान उत्पादनकर्ता होता है और वह ही सारी आवश्यक वस्तुए थोक में लेगा व फुटकर में बेचेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लाभ उत्पादनकर्ता अर्थात किसान को मिल सके। कार्यक्रम में वन अनुसंधान संस्थान के विस्तार प्रभाग के प्रमुख डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिभागियों को विशेष रूप से औषधीय पौधों रख-रखाव व विक्रय में आने वाली समस्याओं के समाधान बारे जानकारी दी

रादौर के दामला में बृहस्पतिवार को औषधीय पौधों की खेती के बारे में जानकारी लेते किसान।-निस

Amar Ujala 26th January, 2018

औषधीय पौधों से कमाई के तरीके बताए

यमुनानगर (ब्यूरो)। कृषि विज्ञान केंद्र दामला में किसानों, वन कर्मियों, गैर सरकार संगठन एवं अन्य हितग्रहियों के लिए औषधीय पौधों की खेती, सतत विदोहन और उपयोग पर विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान देहरादून (उत्तराखंड) की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र दामला के संयोजक एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि औषधीय पेड़-पौधों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्व है। औषधीय पेड़-पौधों से कई प्रकार की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। इसलिए हमें औषधीय पेड़-पौधों के बारे में जानकारी होना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से औषधीय पेड़-पौधों से मिलने वाली उपज को सीधे बाजार में बिना किसी बिचौलिये की मदद से विक्रय प्रणाली के बारे में कहा कि सही अर्थ में किसान उत्पादनकर्ता होता है और वह ही सारी आवश्यक वस्तुएं थोक में लेगा व फुटकर में बेचेगा। कार्यक्रम में वन अनुसंधान संस्थान के विस्तार प्रभाग के प्रमुख डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिभागियों को विशेष रूप से औषधीय पौधों रख-रखाव व विक्रय में आने वाली समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. विजय कुमार, सहायक वन संरक्षक सचिन कुमार रहे।